।। अर्हम् ।।

आचार्य श्रीमहाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) राज.
दूरभाष नम्बर 01565–224600, 224900 फेक्स
ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

वर्धमान महोत्सव सम्पन्न

परिणाम दर्शी ही कर सकता है सुन्दर भविष्य का निर्माण– आचार्य श्रीमहाप्रज्ञ

तुलसीराम चोरड़िया–मीडिया संयोजक

श्रीडूंगरगढ़। 17 जनवरी 10।
'भिक्षु विचार दर्शन' कृति के द्वारा आचार्य भिक्षु के दार्शनिक पक्ष को उजागर कर पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक संगठनों में बढ़ती पद लोलुपता और अहं के टकराव से बढ़ते झगड़ों का समाधान प्रस्तुत करने वाले आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि संगठन का नेतृत्व करने वाला प्रवृति को ज्यादा महत्व न देकर परिणाम पर ध्यान केन्द्रित करता है तो वह शुभ भविष्य का निर्माण कर सकता है। जिसका वर्तमान सुन्दर होता है उसका अतीत गौरवशाली होता है और भविष्य उज्ज्वल बनता है। जिस संगठन में पद लोलुपता और अहंकार को प्रोत्साहन मिलता है, वह न अखण्ड रह सकता है, और न ही वर्धमान हो सकता है। आचार्य भिक्षु ने भविष्य का निर्माण करने की अपेक्षा वर्तमान की समस्या अहंकार पर प्रहार किया और संघ में सारे पद समाप्त कर दिए। आचार्य भिक्षु की इस दूरदर्शिता के कारण ही तेरापंथ प्राणवान बना।

उन्होंने स्थानीय तेरापंथ भवन के प्रज्ञा समवसरण में वर्धमान महोत्सव के समापन समारोह में तेरापंथ के भविष्य दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य का निर्माण करने वाला वर्तमान होता है। केवल अतीतदर्शी और वर्तमानदर्शी सुन्दर भविष्य का निर्माण नहीं कर सकते। सुन्दर भविष्य निर्माण के लिए परिणाम दर्शी बनना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संगठन को अखण्ड एवं शक्तिशाली बनाए रखना है तो प्रत्येक सदस्य को अहंकार और पद की आंकाक्षा पर नियंत्रण करने का अभ्यास करवाना होगा। जब प्रत्येक सदस्य प्रवृति के परिणाम पर नजर रखेगा तो वह गलत कार्य करने से बचा रहेगा।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि भविष्य प्रायः अस्पष्ट रहता है। ज्योतिषी भविष्यवाणी करते हैं, पर मेरी जिज्ञासा भविष्य को जानने की कम रहती है। मैं वर्तमान पर ध्यान देता हूं और पुरूषार्थ करने में विश्वास करता हूं। संघ का अतीत सुन्दर है और वर्तमान भी सुन्दर है। भविष्य को सुन्दर बनाने के लिए वर्तमान को और सुन्दर बनाना है। इसके लिए प्रत्येक सदस्य का इस दिशा में पुरूषार्थ लगना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्य में यह आश्वास रहना चाहिए कि जरूरत होने पर हमें संघ संभालेगा और हमारी सेवा की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह मानवाधिकार होता है, वैसे ही धर्म संघ के सदस्य का अधिकार है कि जरूरत पड़ने पर संघ से सेवा की व्यवस्था की मांग प्रस्तुत करें। संघ माता–पिता के समान होता है। सबका भरण पोषण करना संघ का दायित्व है। संघ सबके लिए शरणदाता है। उन्होंने कहा कि यह संघ की खूबी है कि पूर्ववर्ती आचार्यो को सम्मान के साथ याद किया जाता है। आचार्य भिक्षु को जयाचार्य, आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ ने जिस तरह से प्रस्तुत किया उससे यह प्रतीत होता है कि भगवान को भक्त ही पूजाते हैं। उन्होंने संघ में वत्सलता एवं कड़ाई दोनों की अपेक्षा बताई।

मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ इसलिए गौरवशाली है कि यहां पर पूर्ववर्ती आचार्यो के प्रति कृतज्ञता के भाव है, आचार्य अपने शिष्याओं का सम्मान बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करते है और श्रावक श्राविकाएं गुरू इंगित के अनुसार संघ की सेवा करते हैं। तेरापंथ के श्रावक समाज में गुरूनिष्ठा, संघनिष्ठा कुट–कुट कर भरी है। समणी नियोजिका समणी मधुरप्रज्ञा ने कहा कि संगठन के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए विजन, शक्ति, कार्यक्रम और कार्य को सम्पादित करने वाली टीम होनी चाहिए। तेरापंथ के पास इन चारों की व्यवस्था है। इसी कारण भविष्य शुभ है। मुनि स्वास्तिक कुमार एवं समणी मलय प्रज्ञा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। समणी गण ने ''गाथा विकास की हम मिल आज सुनाते है'' गीत की प्रस्तुति दी। कमला भादानी एवं कन्या मण्डल ने सुमधुर स्वरों में भावाभिक्ति दी। संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

युवाचार्य अब लिखेंगे ''महाप्रज्ञ महिमा''

तेरापंथ के आचार्यो के द्वारा अपने पूर्ववर्ती आचार्यों की स्तुति में ग्रंथ लिखे जाने की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अब युवाचार्य महाश्रमण भी महाप्रज्ञ महिमा आख्यान की रचना करेंगे। उक्त जानकारी स्वयं युवाचार्य महाश्रमण ने वर्धमान महोत्सव के समापन अवसर पर दी। युवाचार्य प्रवर इससे पूर्व आचार्य महाप्रज्ञ के

जीवन पर प्रकाश डालने वाली बहुचर्चित कृति ''महात्मा महाप्रज्ञ'' का लेखन कर चुके हैं। आचार्य महाप्रज्ञ भी अपने गुरू आचार्य तुलसी पर धर्मचक्र का प्रवर्तन और तुलसी यशोविलास के रूप में दो पुस्तकों को प्रस्तुत किया है।

साध्वियों की संख्या हुई 200 के पार

आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित होने वाले 146 वें मर्यादा महाकुम्भ में सम्मिलित होने के लिए साधु–साध्वियों का आना जारी है। आज साध्वी प्रमिला कुमारी, साध्वी अणिमा श्री, साध्वी पीयूष प्रभा आदि 11 साध्वियों ने आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन किए। इनके श्रीडूंगरगढ़ पहुंचने से साध्वियों की संख्या 204 हो गई है। मुनि अभी 92 है। मर्यादा महोत्सव के समय 100 होने की संभावना है। समणी गण भी 100 से ऊपर है।

तेरापंथ डॉक्टर्स केम्प का आयोजन

आचार्य महाप्रज्ञ एवं युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फार्म एवं आचार्य श्रीमहाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के द्वारा तेरापंथ डॉक्टर्स केम्प का आयोजन किया गया। इस केम्प में देश के ख्यातनाम डॉक्टर दिनेश दूगड़, दंत सर्जन डॉ. प्रमोद जैन पायरिया डेविस्ट, डॉ. पोकरणा गेस्ट्रोलोस्टि, डॉ. विनोद पोरनाल हड्डी विशेषज्ञ जे.एम. तलेसरा हड्डी विशेषज्ञ कान्तीलाल श्यामसुखा सर्जन डॉ. मीनाक्षी स्त्री विशेषज्ञ, महावीर गोलछा न्यूरो विशेषज्ञ, माणक गुजरानी चेष्ट विशेषज्ञ ने इस दो दिवसीय केम्प में अनेक साधु–साध्वियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। मुनि रजनीशकुमार के निदेशन में लगे इस केम्प में सम्मलित सभी डॉक्टरों को प्रवास व्यवस्था समिति की तरफ से संरक्षक बनेचन्द मालू आदि के द्वारा साहित्य से सम्मानित किया गया। डॉ. दिनेश दूगड़, डॉ. जे.एम तलेसरा, डॉ. महावीर गोलछा ने अपने विचार रखें। कन्हैयालाल छाजेड़ ने केम्प की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

तुलसीराम चोरड़िया
मीडिया संयोजक